''मोदी @ 20 : सपने हुए साकार'' पुस्तक लोकार्पण के अवसर पर महामहिम राज्यपाल श्री फागू चौहान का सम्बोधन

(दिनांक 12.09.2022, समय– पूर्वाह्न 11:30 बजे, स्थान–दरबार हॉल, राजभवन, पटना)

भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्रद्धेय नरेन्द्र मोदी जी के बहुआयामी व्यक्तित्व की अनेकानेक खूबियों, देश और देशवासियों के प्रति उनके हृदय का अगाध प्रेम तथा उनके द्वारा राष्ट्रहित और लोकहित में किये गये असंख्य कार्यों को शब्दों में समेटकर उसे पुस्तक का रूप देना एक अत्यन्त दुष्कर कार्य है।

आज लोकार्पित पुस्तक ''मोदी @ 20 : सपने हुए साकार'' भारत एवं एक सौ तीस करोड़ भारतवासियों के लिए माननीय मोदी जी के उन संकल्पों, प्रतिबद्धताओं और कार्यों की एक महान गाथा है, जिसे विभिन्न क्षेत्रों के ख्यातिलब्ध महानुभावों ने अपने अनुभवों तथा देश एवं समाज के परिवर्तित वातावरण में अपनी सुखद अनुभूतियों के आधार पर लिखा है।

गुजरात के मुख्यमंत्री रहे और भारत के वर्तमान प्रधानमंत्री के रूप में आदरणीय नरेन्द्र मोदी जी द्वारा विगत 20 वर्षों में किये गये कार्यों की पृष्ठभूमि में उनकी कठोर तपस्या, त्याग तथा कठिन संघर्षों की एक लंबी श्रृंखला है। इसने भारत एवं भारतवासियों के हर समस्या के प्रति उन्हें इतना संवेदनशील बना दिया कि उन्होंने इनके समाधान के लिए अपना जीवन पूर्णरूपेण समर्पित कर दिया।

हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के धवल और विशाल व्यक्तित्व में महान और विराट भारत की सम्पूर्ण छवि प्रतिबिम्बित होती है। सौभाग्य से हमारे देश को श्री नरेन्द्र मोदी जी के रूप में पहली बार एक ऐसे प्रधानमंत्री मिले हैं जिन्होंने अपनी व्यक्तिगत सत्ता को राष्ट्रहित और लोकहित के साथ समाहित कर लिया है। प्रत्येक देशवासी को ऐसा महसूस होता है कि उनके लोकप्रिय प्रधानमंत्री उनसे रोज बात करते हैं तथा उनकी समस्याओं को समझकर उनके समाधान के लिए हर क्षण प्रयत्नशील रहते हैं। कभी वह 'चाय पे चर्चा' करते हैं तो कभी 'परीक्षा पे चर्चा' कर देश के लाखों किशोर–किशोरियों का मनोबल बढ़ाते हैं। उनकी 'मन की बात' सुनकर ऐसा लगता है मानों वह करोड़ों देशवासियों के मन की चिन्ताओं, भावनाओं और आकांक्षाओं को अपने मुँह से अभिव्यक्त कर रहे हैं।

माननीय प्रधानमंत्री जी ने भारत में लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत किया है। वह जनता की समस्याओं के समाधान में जन भागीदारी पर भरोसा करते हैं। उनके द्वारा लिये गये निर्णयों में मानवीय स्पर्श, जवाबदेही, पारदर्शिता और जीवन बदलने के लिए समर्पण की झलक मिलती है।

प्रधानमंत्री जी ने युवाओं को राय देने के लिए प्रोत्साहित किया तथा उनसे जुड़ने के लिए डिजिटल मीडिया की क्षमता का इस्तेमाल किया। उन्होंने युवाओं को विश्वस्तरीय शिक्षा प्रणाली प्रदान करने हेतु शिक्षकों और छात्रों की क्षमता निर्माण के लिए बड़े पैमाने पर काम किया। वह स्वयं भी युवाओं की तरह सोचते और कार्य करते हैं।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने 'स्वच्छ भारत अभियान' के तहत हर घर में शौचालय और विद्यालयों में लड़कियों के लिए अलग शौचालय का निर्माण कराकर महिलाओं के सम्मान तथा उज्ज्वला योजना को लागू कर उनके स्वास्थ्य की रक्षा की है। महिलाओं को नौकरियों में अधिक अवसर, विकास और उद्यमिता के समान अवसर, मातृ एवं शिशु सुरक्षा, तीन तलाक के विरूद्ध कानून आदि के माध्यम से महिलाओं का सशक्तीकरण हुआ है। जन–धन योजना सहित वित्तीय समावेशन की विभिन्न योजनाओं से बड़ी संख्या में महिलाएँ लाभान्वित हुई हैं।

श्रद्धेय नरेन्द्र मोदी जी ने धारा–370 को समाप्त कर सही अर्थों में जम्मू–कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग बनाया। उन्होंने भारत के सांस्कृतिक गौरव को भी पुनर्जीवित किया है। काशी विश्वनाथ गलियारा, चार–धार परियोजना, वैष्णो देवी मंदिर के लिए रेल संपर्क, करतारपुर शाही कॉरिडोर को चालू किया जाना आदि इसके उदाहरण हैं। उन्होंने स्वयं अयोध्या में भव्य राम मंदिर के निर्माण की आधारशिला रखी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में इस बात का विशेष ध्यान रखा गया है कि भावी पीढ़ी भारतीय मूल्यों से अवगत हो सके। मोदी जी भारत की समृद्ध संस्कृति को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करते रहे हैं। उन्होंने विदेशी नेताओं को भारत के महत्वपूर्ण ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक स्थलों का भ्रमण भी कराया है। उन्होंने योग को वैश्विक आंदोलन बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने पहले गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में और फिर भारत के प्रधानमंत्री के रूप में जलवायु परिवर्तन, पर्यावरण संरक्षण, वन्य जीवन का संरक्षण और स्वच्छ इंधन तथा नवीकरणीय ऊर्जा वाले राष्ट्र के रूप में भारत को रूपान्तरित करने की सार्थक पहल की है।

आदरणीय श्री नरेन्द्र मोदी जी में आपदा को अवसर में बदलने की अद्भुत क्षमता है। उन्होंने भारत में कोविड महामारी का प्रबंधन अत्यंत प्रभावी ढंग से किया। मार्च, 2020 में लागू पहला लॉकडाउन उनका एक साहसिक निर्णय था, जिसके तहत उन्होंने अर्थव्यवस्था को होनेवाले अस्थायी नुकसान के बजाए नागरिकों की सुरक्षा और जीवन को प्राथमिकता दी। उन्होंने दुनिया के सबसे बड़े टीकाकरण अभियान का संचालन किया।

डिजिटलीकरण के लिए समग्र दृष्टिकोण अपनाने वाला भारत एकमात्र राष्ट्र है। प्रधानमंत्री जी ने डिजिटल इंडिया के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जारी रखी। उन्होंने भारतीय परिवारों को JAM (जनधन, आधार और मोबाईल) प्लेटफार्म से जोड़कर भारत के कल्याणकारी संरचना को सुदृढ़ किया।

निर्धनता का स्वास्थ्य से सीधा संबंध है, इसलिए माननीय प्रधानमंत्री मोदी जी ने 'आयुष्मान भारत' के तहत समाज के कमजोर वर्ग के लोगों को 5 लाख रूपये सालाना तक का मुफ्त स्वास्थ्य कवच दिया। हमारे समाज के वंचित वर्ग के लोगों की आवश्यकताओं की पूर्ति के उद्देश्य से उन्होंने सामाजिक सुरक्षा के अनेक कार्यक्रम शुरू किये।

माननीय प्रधानमंत्री जी ने पूरे देश के लिए एकीकृत कर प्रणाली, वस्तु एवं सेवा कर (जी०एस०टी०) की शुरूआत की, जो भारत के आर्थिक एकीकरण के दृष्टिकोण से एक महत्वपूर्ण कदम है।

श्रद्धेय श्री नरेन्द्र मोदी जी का प्राण भारत और भारतवासियों में बसता है। जब कभी भारतीय संकट में फँसे हैं, उन्होंने अभियान चलाकर उन्हें बचाया है। विदेशों में रह रहे भारतीयों के बीच भी वह काफी लोकप्रिय हैं।

माननीय प्रधानमंत्री जी भारत की विदेश नीति में सकारात्मक बदलाव लाये हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा के संबंध में उनका दृष्टिकोण राष्ट्रवादी विचारधारा और एक मजबूत भारत के निर्माण की रणनीतिक दीर्घकालिक दृष्टि से प्रेरित है। सर्जिकल स्ट्राइक सहित ऐसे अन्य अवसरों पर आदरणीय प्रधानमंत्री जी ने बहुत स्पष्ट निर्णय लिया है।

जैसा कि मैंने पूर्व में ही कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी के समस्त कार्यों का उल्लेख करना अत्यन्त कठिन है। उनके 20 वर्षों के कार्यों से संबंधित यह पुस्तक हमें उनके व्यक्तित्व एवं विचार के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराती है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि यह पुस्तक हम सब के लिए अत्यन्त प्रेरणादायी सिद्ध होगी।

मैं इस पुस्तक में समाहित विभिन्न आलेखों के लेखकों को साधुवाद देता हूँ, जिन्होंने बड़ी शिद्दत के साथ माननीय मोदी जी के व्यक्तित्व और उनके कार्यों को शब्द रूप देने का सफल और सार्थक प्रयास किया है।

मैं पुस्तक के प्रकाशन से जुड़े सभी महानुभावों को भी धन्यवाद देता हूँ, जिनके अथक परिश्रम के परिणामस्वरूप आज यह हमारे पास है।

आप सबको बहुत–बहुत धन्यवाद।

जय हिन्द।

***